1919 से 1945 तक के विश्व इतिहास पर प्रकाश

1919 से 1945 तक का काल विश्व इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। यह काल प्रथम विश्वयुद्ध के परिणामों से शुरू होकर द्वितीय विश्वयुद्ध के अंत तक फैला है। इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय राजनीति, अर्थव्यवस्था, समाज और विचारधाराओं में गहरे परिवर्तन हुए।

---

1. प्रथम विश्वयुद्ध के बाद की परिस्थितियाँ (1919–1923)

1919 में वर्साय की संधि (Treaty of Versailles) हुई, जिसने जर्मनी पर कठोर आर्थिक व राजनीतिक प्रतिबंध लगाए।

जर्मनी को युद्ध के लिए दोषी ठहराया गया, उपनिवेश छीन लिए गए और उसे भारी क्षतिपूर्ति देनी पड़ी।

यूरोप में राष्ट्रीयता और असंतोष की भावना बढ़ी।

इसी समय लीग ऑफ नेशन्स (League of Nations) की स्थापना हुई ताकि भविष्य में युद्ध को रोका जा सके, परंतु यह संगठन कमजोर साबित हुआ।

---

2. आर्थिक संकट और साम्राज्यवाद का प्रसार (1923–1933)

1929 में अमेरिका में महामंदी (Great Depression) आई, जिसका प्रभाव पूरे विश्व पर पड़ा।

बेरोजगारी, गरीबी और सामाजिक असंतोष बढ़ा।

इस संकट के कारण तानाशाही विचारधाराओं — जैसे फासीवाद (Fascism) और नाज़ीवाद (Nazism) — को बढ़ावा मिला।

इटली में मुसोलिनी (1922) और जर्मनी में हिटलर (1933) सत्ता में आए।

जापान ने एशिया में साम्राज्य विस्तार की नीति अपनाई (मंचूरिया पर कब्जा, 1931)।

---

3. तानाशाही शक्तियों का उदय (1933–1939)

हिटलर ने जर्मनी को पुनः सशक्त करने, सेना बनाने और वर्साय की संधि को तोड़ने की नीतियाँ अपनाईं।

मुसोलिनी ने इटली में अफ्रीका के क्षेत्रों (जैसे इथियोपिया) पर कब्जा किया।

स्पेन में फ्रांको के नेतृत्व में गृहयुद्ध (1936–39) हुआ, जिसमें फासीवादी शक्तियों ने सहयोग दिया।

ब्रिटेन और फ्रांस ने "समझौता नीति" (Policy of Appeasement) अपनाई, जिससे हिटलर और आक्रामक हो गया।

---

4. द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत (1939–1945)

1 सितंबर 1939 को जर्मनी ने पोलैंड पर आक्रमण किया। इसके बाद ब्रिटेन और फ्रांस ने जर्मनी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी।

युद्ध दो ध्रुवों में बँटा —

मित्र राष्ट्र (Allied Powers): ब्रिटेन, फ्रांस, सोवियत संघ, अमेरिका, चीन आदि।

धुरी राष्ट्र (Axis Powers): जर्मनी, इटली, जापान।

युद्ध का विस्तार यूरोप, अफ्रीका, एशिया और प्रशांत महासागर तक हुआ।

---

5. युद्ध के निर्णायक चरण (1941–1945)

1941 में जापान ने पर्ल हार्बर पर हमला किया, जिससे अमेरिका युद्ध में शामिल हुआ।

सोवियत संघ पर जर्मनी का आक्रमण (Operation Barbarossa) विफल हुआ।

1943 के बाद मित्र राष्ट्रों ने बढ़त बनानी शुरू की।

6 जून 1944: नॉर्मंडी (Normandy) में मित्र राष्ट्रों की लैंडिंग हुई, जिसने पश्चिमी यूरोप को आज़ादी दिलाई।

मई 1945: हिटलर की आत्महत्या और जर्मनी का आत्मसमर्पण।

अगस्त 1945: अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए, जिससे जापान ने आत्मसमर्पण कर दिया।

---

6. परिणाम और प्रभाव

लगभग 6 करोड़ लोग मारे गए; यूरोप और एशिया के अनेक नगर नष्ट हो गए।

संयुक्त राष्ट्र संघ (United Nations) की स्थापना (1945) हुई ताकि स्थायी शांति बनी रहे।

अमेरिका और सोवियत संघ दो महाशक्तियों के रूप में उभरे, और शीत युद्ध (Cold War) की शुरुआत हुई।

उपनिवेशवाद का अंत प्रारंभ हुआ; भारत, एशिया और अफ्रीका में स्वतंत्रता आंदोलनों को बल मिला।

निष्कर्ष

1919 से 1945 का काल मानव इतिहास का संक्रमण काल था —
जहाँ एक ओर तानाशाही, युद्ध और विनाश देखा गया, वहीं दूसरी ओर लोकतंत्र, मानवाधिकार और विश्व शांति के नए प्रयास शुरू हुए।